वर्ष 1 - अंक 81
शुक्रवार 21 फरवरी 2025- कुल पृष्ठ - 4
RNI - NO. MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

केंद्रीय जेल इंदौर में पहली बार हुआ

महाकुंभ गंगाजल स्नान

आदित्य शर्मा, 8224951278

सहसंपादक रणजीत टाइम्स

गंगा मैया के जयकारों से गूंजा जेल परिसर, बंदियों को मिला आध्यात्मिक स्नान का अनुभव

इंदौर। सनातन परंपरा के सबसे बड़े पर्व प्रयागराज महाकुंभ 2025 के शुभ अवसर पर केंद्रीय जेल इंदौर में आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संचार हुआ। जेल अधीक्षक श्रीमती अलका सोनकर के विशेष प्रयास से प्रयागराज महासंगम से गंगा जल मंगवाया गया और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बंदियों को सांकेतिक रूप से गंगा स्नान कराया गया। इस अनूठी पहल ने जेल परिसर को भक्तिमय बना दिया और बंदियों को आध्यात्मिक अनुभव से जोड़ा।

भव्य गंगा कलश यात्रा से हुआ आयोजन का शुभारंभ

इस पवित्र अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री श्री मिलिंद परांदे जी एवं प्रांत प्रमुख श्री जितेंद्र जी विशेष अतिथि के रूप में

शामिल हुए। गंगा कलश यात्रा के भव्य आयोजन के साथ उनका स्वागत किया गया, जिसे जेल के सभागार तक ले जाया गया। पूरे माहौल में गंगा मैया के जयकारों की गूंज सुनाई दी, जिससे जेल परिसर का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

बंदियों को मिला आध्यात्मिक शुद्धिकरण का अवसर

मुख्य कार्यक्रम में वैदिक मंत्रों के बीच गंगा जल से जेल के बंदियों को सांकेतिक महाकुंभ स्नान कराया गया। इस आयोजन का उद्देश्य केवल धार्मिकता का पालन नहीं था, बल्कि बंदियों के भीतर आध्यात्मिक जागरूकता और सकारात्मकता लाना भी था। इस स्नान के दौरान बंदियों ने गंगा मैया की आराधना की और "हर हर गंगे" के जयकारों से माहौल को पवित्र कर दिया।

मध्य प्रदेश में अपने तरह का पहला नवाचार

केंद्रीय जेल अधीक्षक श्रीमती अलका सोनकर द्वारा किए गए इस प्रयास ने मध्य प्रदेश में जेल सुधार और आध्यात्मिक पुनर्वास की दिशा में एक नई मिसाल पेश की है। बंदियों ने इस आयोजन को अत्यंत हर्ष और आस्था के साथ स्वीकार किया, जिससे जेल में सकारात्मक माहौल का निर्माण हुआ। इस अवसर पर जेल प्रशासन, अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने इस अनूठी पहल की सराहना की। यह आयोजन यह साबित करता है कि धार्मिक और आध्यात्मिक जागरूकता किसी भी स्थान पर सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है।

50 साल पुरानी बावड़ी पर बना ली थी दुकानें

निगम ने निर्माण तोड़ मुक्त कराई

इंदौर के वल्लभ नगर क्षेत्र में नगर निगम मार्केट के पास बनी 50 साल पुरानी बावड़ी रिमूवल गैंग ने अतिक्रमण से मुक्त कराई है। कब्जेधारियों ने बावड़ी पर स्लैब डालकर दुकानें बना ली थी और उससे मोटा किराया वसूला जा रहा था। कुछ दिनों पहले ही उसके बारे में अफसरों को पता चला था और उन्होंने नोटिस दिया था। बावड़ी को अतिक्रमण मुक्त करने की एक वजह यह भी थी कि डेढ़ साल पहले इंदौर में एक बावड़ी पर अतिक्रमण कर मंदिर बना लिया गया था और स्लैब टूटने की वजह से 36 लोगों की बावड़ी में डूबने से मौत हो गई थी। वल्लभ नगर स्थित नगर निगम मार्केट में प्राचीन बावडी पर दुकानदारों ने स्लै डालकर कब्जा कर लिया गया था। वर्षों पुरानी बावड़ी होने जीर्ण-शीर्ण अवस्था में थी। इस कारण कभी भी कोई दुर्घटना घट सकती है।

मामले की गंभीरता को समझते हुए निगमायुक्त शिवम वर्मा ने जोन के संबंधित भवन अधिकारी को अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। सुबह रिमूवल गैंग पहुंची और बावड़ी से दुकानों को जेसीबी से तोड़ दिया। अब बावड़ी के चारों तरफ तारों की बाउंड्री बनाई गई है। जल्दी ही उसे सुरक्षित किया जाएगा।

आपको बता दे कि डेढ़ साल पहले पटेल नगर बावड़ी हादसे के बाद नगर निगम ने 100 से ज्यादा कुंए और बावड़ी वाले अतिक्रमण चिन्हित किए थे। कुछ बावड़ियों को अतिक्रमण मुक्त किया गया, लेकिन फिर मुहिम ठंडी पड़ गई।

तेज, क्षमा, धैर्य, शुद्धि व प्रीति

दैवीय संपदा के लक्षण

मनुष्य के व्यक्तित्व में कई गुण होते हैं, लेकिन उनमें से कुछ विशेष गुण उसे आध्यात्मिक ऊँचाइयों तक ले जाते हैं। ये गुण केवल बाहरी दिखावे के लिए नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धता और आध्यात्मिक उन्नति के लिए आवश्यक होते हैं। तेज, क्षमा, धैर्य, शुद्धि और प्रीति – ये सभी गुण व्यक्ति को दैवीय संपदा प्राप्त करने के योग्य बनाते हैं।

तेज और आत्मबल

तेज, या प्रभाव, व्यक्ति के आत्मविश्वास और सत्यता से जुड़ा होता है। जब कोई व्यक्ति अपने आचरण में सत्य को अपनाता है, तो उसमें एक अलग प्रकार की आभा प्रकट होती है। यह तेज केवल बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होता है, जो सकारात्मकता को जन्म देता है और दूसरों को भी प्रेरित करता है।

क्षमा और धैर्य

क्षमा एक ऐसा गुण है जो व्यक्ति को मानसिक शांति प्रदान करता है। जब हम दूसरों की गलतियों को माफ करना सीखते हैं, तो हम अपने भीतर की ऊर्जा को संतुलित कर पाते हैं। धैर्य भी इसी का एक रूप है। जीवन में कई उतार-चढ़ाव आते हैं, लेकिन जो व्यक्ति धैर्यवान होता है, वह हर स्थिति में आत्मसंतुलन बनाए रखता है।

शुद्धि और प्रेम

शुद्धि का अर्थ केवल बाहरी स्वच्छता से नहीं, बल्कि मन, वचन और कर्म की शुद्धता से है। जब व्यक्ति अपने विचारों को शुद्ध करता है, तो उसके कार्य भी स्वाभाविक रूप से पवित्र हो जाते हैं। इसी तरह, प्रीति (स्नेह या प्रेम) भी एक दैवीय गुण है। प्रेम में स्वार्थ नहीं होता, यह निस्वार्थ भाव से दूसरों की भलाई के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है।

ध्यान और आत्मनिरीक्षण का महत्व

प. पू. श्री माताजी निर्मला देवी ने बताया कि ध्यान और आत्मनिरीक्षण से हम अपने भीतर इन दैवीय गुणों को जागृत कर सकते हैं। ध्यान से हमारा चक्र शुद्ध होता है, जिससे जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं। जब व्यक्ति भीतर से शांत होता है, तो वह क्षमाशील बनता है और दूसरों के प्रति दयालुता दिखाता है।

निष्कर्ष

इन गुणों को अपनाकर हम न केवल अपने जीवन को श्रेष्ठ बना सकते हैं, बल्कि समाज में भी एक सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। तेज, क्षमा, धैर्य, शुद्धि और प्रीति को आत्मसात करके ही हम सच्चे अर्थों में आत्मज्ञान की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

शाहरुख पटेल ने जन्मदिन मानव सेवा के साथ मनाया, युवाओं को नशे से दूर रहने की दी प्रेरणा

छात्र शक्ति के युवा शाहरुख पटेल ने अपना जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया, लेकिन इस बार उन्होंने इसे एक विशेष रूप से मानव सेवा के माध्यम से मनाया। शाहरुख ने अपने जन्मदिन पर एक महत्वपूर्ण संदेश दिया कि आज की युवा पीढ़ी को नशे की बजाय समाज सेवा में अपनी ऊर्जा लगानी चाहिए। जन्मदिन के मौके पर शाहरुख ने कई जरूरतमंदों की मदद की, और स्थानीय समुदाय में यह संदेश दिया कि नशा करने के बजाय समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम करें। उन्होंने कहा, "आजकल युवा पीढ़ी जन्मदिन पर नशा करती है, जो गलत है। हमें नशे से दूर रहकर समाज की सेवा करनी चाहिए। यह एक बेहतर और सकारात्मक तरीका है खुद को मनाने का।" शाहरुख की इस पहल ने न केवल उनके दोस्तों और समर्थकों को प्रेरित किया, बल्कि पूरे समुदाय में यह संदेश फैलाया कि किसी भी अवसर को सामाजिक भलाई के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। उनका मानना है कि युवा पीढ़ी को इस तरह के प्रेरणादायक कार्यों में शामिल होकर अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहिए। शाहरुख पटेल की इस पहल को देखते हुए कई युवाओं ने उन्हें समर्थन दिया और उनके रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

क्या आप भी बनना चाहते हैं
जनता की आवाज ?
तो जुड़िए रणजीत टाइम्स न्यूज़पेपर के साथ
और बनिए जनता की सशक्त आवाज
आपकी खबर, आपकी ताकत!
जुड़ने के लिए अभी संपर्क करें
9827068888, 8224951278
आपका रणजीत टाइम्स
जनताकीआवाज

एनएसयूआई का आरोप, एमपी में छात्रों को नहीं दी गई स्कॉलरशिप, विरोध प्रदर्शन की चेतावनी

भोपाल। कांग्रेस से जुड़े भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) ने मध्य प्रदेश सरकार पर हजारों छात्रों को स्कॉलरशिप का भुगतान नहीं करने का आरोप लगाया और जल्द ही पैसा जारी नहीं होने पर विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी. संगठन ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों को स्कॉलरशिप के वितरण में भेदभाव का भी आरोप लगाया. एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रवक्ता विराज यादव ने एक बयान में कहा कि अगर भाजपा सरकार जल्द ही धनराशि जारी नहीं करती है तो हम मध्य प्रदेश के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने जा रहे हैं. उन्होंने दावा किया कि 2022 के शैक्षणिक सत्र में प्रवेश लेने वाले मध्य प्रदेश भर के हजारों छात्रों को मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति नहीं मिली है.

एनएसयूआई नेता ने दावा किया कि छात्रों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और कई को कर्ज लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है. उन्होंने कहा कि एनएसयूआई ने मंगलवार को अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव और अन्य अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा था.

यादव ने कहा हमारी मांगों में मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति योजना और ऐसे अन्य कार्यक्रमों के तहत लंबित धनराशि को तत्काल जारी करना और एससी और एसटी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की समान अवधि शामिल है. उन्होंने कहा कि वर्तमान में एससी छात्रों को 12 महीने के लिए छात्रवृत्ति मिलती है, जबकि एसटी छात्रों को केवल 10 महीने के लिए मिलती है, जो असंवैधानिक है. एनएसयूआई पदाधिकारी ने कहा कि कांग्रेस 10 मार्च से शुरू होने वाले एमपी विधानसभा के बजट सत्र में इस मुद्दे को उठाएगी. उन्होंने कहा कि अगर सरकार कार्रवाई नहीं करती है, तो एनएसयू पूरे एमपी में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में विरोध प्रदर्शन करेगी.

गर्लफ्रेंड के साथ गार्डन में घूम रहा था युवक, अचानक पहुंचा लड़की का भाई, चाकू से किया हमला

भोपाल। राजधानी में युवक पर जानलेवा हमला हुआ। बताया गया कि वह गर्लफ्रेंड के साथ पार्क में घूम रहा था। इस दौरान लड़की का भाई वहां पहुंच गया। अपनी बहन को युवक के संग देखकर वह भीड़ गया और चाकू से हमला कर दिया। जिससे वह घायल हो गया है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। यह पूर घटना तलैया थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, राजधानी के कमला पार्क में एक युवक अपनी गर्लफ्रेंड के साथ घूमने के लिए पहुंचा था। इसकी जानकारी लड़की के भाई को मिली तो वह भी पार्क पहुंच गया। जहां अपनी बहन को उस युवक के साथ देखकर भड़ गया। गर्लफ्रेंड के भाई ने युवक पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। घायल युवक से इस घटना के बारे में जानकारी ली गई। इसके बाद उसे थाने लेकर गए। जहां उससे पूछताछ की गई। वहीं युवक के गर्लफ्रेंड के भाई की तलाश शुरू कर दी है। उसने चाकू क्यों मारा इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है।

उज्जैन में तैयार होंगे 6 नए ग्रिड, AI की मदद से होगा मैनेजमेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को सिंहस्थ-2028 को लेकर बैठक ली। उन्होंने इसके प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस समेत अपडेट तकनीकों के उपयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श के लिए मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में आयोजित बैठक को संबोधित किया।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, ÷सिंहस्थ-2028 को श्रद्धालुओं के लिए अविस्मरणीय अनुभूति बनाने के उद्देश्य से आवागमन, पार्किंग, स्नान, भीड़ प्रबंधन, आवास, स्वच्छ पेयजल, भोजन, चिकित्सा सुविधा, अपशिष्ट प्रबंधन सहित सभी पहलुओं के प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाए। व्यवस्थाओं के संचालन में सूचना प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सहित सभी अद्यतन तकनीकों का उपयोग किया जाए।÷

बैठक में आईआईटी एल्यूमिनाए कॉउंसिल के सतीश मेहता ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के माध्यम से संचालित सोलर गोल्फ कार्ट, इलेक्ट्रिक मिनी बसों और 9 मीटर लंबी बसों से श्रद्धालुओं के आवागमन संबंधी प्रस्ताव रखा। उनके प्रस्ताव के अनुसार देवास, इंदौर और ओंकारेश्वर से उज्जैन पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पॉयलेट प्रोजेक्ट के रूप में शहरी क्षेत्र में प्रायोगिक रूप से इस व्यवस्था के संचालन के निर्देश दिए।सिंहस्थ-2028 के मद्देनजर मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, ट्रांसमिशन कंपनी से सामंजस्य कर 6 नये ग्रिड स्थापित करेगी। त्रिवेणी विहार और चिंतामण हासमपुरा नामक क्षेत्रों में 132 केवी ग्रिडों और विद्युत वितरण कंपनी के चार धाम, नानाखेड़ा, सदावल और वाल्मीकि धाम में चार नए ग्रिडों का निर्माण किया जाएगा। अधिकारियों ने विद्युत वितरण कंपनी के प्रस्तावित 33/11 केवी के ग्रिडों के लिए चिन्हिंत स्थानों का दौरा भी किया।

मध्य प्रदेश दुग्ध संघ और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के बीच होगा सहकारिता अनुबंध

भोपाल। सरकार ने दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दरअसल, मध्यप्रदेश दुग्ध संघ और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के मध्य 25 फरवरी को सहकारिता अनुबंध होगा। इस दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मौजूद रहेंगे। यह कार्यक्रम राजधानी भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा।ग्लोबल इन्वेस्टर्स तद्धुरु भोपाल में 25 फरवरी को एम.पी. स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड एवं संबद्ध दुग्ध संघों और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के मध्य कोलैबोरेशन एग्रीमेंट होगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों की आय दोगुनी करने एवं दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अत्यंत महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस अनुबंध की अवधि 5 वर्ष होगी, जिसका आपसी सहमति से विस्तार किया जा सकेगा।

मुख्य रूप से प्रत्येक ग्राम पंचायत में कलेक्शन सेन्टर स्थापित किए जाएंगे, दुग्ध संघों की प्रोसेसिंग क्षमता में वृद्धि की जायेगी और दुग्ध समितियों की संख्या बढ़ाई जायेगी। सीएम ने कहा कि दूध की खरीद सुनिश्चित करने एवं सही कीमत दिलाने में मदद के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में कलेक्शन सेन्टर स्थापित किए जाएंगे। वर्तमान में प्रदेश में दुग्ध समितियों की संख्या 6 हजार है, जिसे बढ़ाकर 9 हजार किया जाएगा।सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा कि वर्तमान में डेयरी प्लांट की क्षमता 18 लाख लीटर प्रतिदिन है, जिसे बढ़ाकर 30 लाख लीटर प्रतिदिन किया जाएगा। अगले 5 सालों में लगभग 1500 करोड़ रूपये का निवेश किया जायेगा। दुग्ध उत्पादकों की कुल वार्षिक आय 1700 करोड़ रुपये से दोगुना कर 3500 करोड़ रूपये किये जाने का लक्ष्य रखा गया है।

स्क्रैच और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग कर बच्चों ने बनाए प्रोजेक्ट, प्रशासन और अधिकारियों ने की सराहना

उज्जैन। जिला प्रशासन, मुस्कान ड्रीम फाउंडेशन और डेल टेक्नोलॉजी के संयुक्त प्रयास से एक विशेष हैकथॉन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 32 सरकारी स्कूलों के 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और 50 से अधिक प्रोजेक्ट्स को स्क्रैच और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किया। इन प्रोजेक्ट्स में छात्रों ने अपने आसपास की समस्याओं के अनोखे समाधान पेश किए, जिनमें पर्यावरण, मानसिक स्वास्थ्य, और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों पर विशेष जोर दिया गया।इस अवसर पर जिलाधिकारी नीरज कुमार सिंह ने बच्चों की रचनात्मकता और उनके तकनीकी कौशल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ÷21वीं सदी में आगे बढ़ने के लिए प्रॉब्लम-सॉल्विंग, लॉजिकल और क्रिटिकल थिंकिंग जैसे कौशल अत्यंत आवश्यक हैं। बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रोजेक्ट्स यह दर्शाते हैं कि वे नई-नई तकनीकों का उपयोग करके सामाजिक समस्याओं का समाधान खोजने में सक्षम हैं।÷ ज़िला पंचायत की सीईओ, जयति सिंह ने कहा, ÷हमने कॉलेज में तकनीक सीखी थी, लेकिन ये बच्चे कम उम्र में ही तकनीकी समाधान खोज रहे हैं, जो उनकी नवाचारी सोच और कल्पनाशीलता का प्रमाण है।÷

आयोजन का उद्देश्य और प्रयास

मुस्कान ड्रीम फाउंडेशन और डेल टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के प्रोजेक्ट मैनेजर शुभम ने बताया कि उज्जैन के 32 सरकारी स्कूलों के 6000 से अधिक छात्रों को 21वीं सदी के कौशल सिखाने के लिए यह पहल की गई है। उन्होंने कहा, ÷हम स्क्रैच और एआई तकनीक के माध्यम से छात्रों को समस्याओं का समाधान ढूंढना सिखा रहे हैं। बच्चों ने जो प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए हैं, वे उनकी तार्किक सोच, नवाचार और तकनीकी समझ को दर्शाते हैं।÷

छात्राओं के प्रोजेक्ट्स और नवाचारी विचार

अंशिका प्रजापत ने हवा की गुणवत्ता जांचने के लिए एक प्रोजेक्ट बनाया, जो यह बता सकता है कि हवा कितनी स्वच्छ है और कितनी प्रदूषित।

समृद्धि प्रजापत ने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक प्रोजेक्ट तैयार किया। उन्होंने कहा, ÷आज के समय में नई पीढ़ी शारीरिक स्वास्थ्य पर तो ध्यान देती है, लेकिन मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी करती है। हमारा एआई-आधारित प्रोजेक्ट लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करेगा और उन्हें अच्छा महसूस कराने में मदद करेगा।÷ यह प्रोजेक्ट बच्चों और उनके माता-पिता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने में सहायक होगा।

संतराम सिंधी कॉलोनी, हामुखेड़ी की छात्राओं ने महिला सुरक्षा पर आधारित प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया, ÷आज के समय में लड़कियों को कराटे और मार्शल आर्ट्स के साथ-साथ महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर भी याद होने चाहिए। हमने एक ऐसा प्रोजेक्ट तैयार किया है जो संकट की स्थिति में तुरंत मदद पहुंचाने में सक्षम है।÷

प्रशासन और अधिकारियों की सराहना

इस कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी आनंद शर्मा और जिला परियोजना समन्वयक अशोक त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों की रचनात्मकता और तकनीकी समझ की प्रशंसा की। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों में नवाचार और तार्किक सोच को बढ़ावा मिलता है, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो सकते हैं।

शिवाजी महाराज नहीं होते तो मेरा नाम कलीमुद्दीन होता: मंत्री कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर। मोहन सरकार के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि शिवाजी महाराज के कारण ही मालवा और उसके आसपास के क्षेत्रों में मुगलों का प्रवेश नहीं हो सका था अगर शिवाजी महाराज नहीं होते, तो आज उनका नाम कैलाश की जगह %कलीमुद्दीन% होता मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का छत्रपति शिवाजी महाराज के योगदान पर दिया गया बयान चर्चा में है. बीजेपी के वरिष्ठ नेता ने कहा कि अगर शिवाजी महाराज नहीं होते तो उनका नाम कैलाश की जगह %कलीमुद्दीन% होता. प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर मंच से

आमजन को संबोधित करते हुए यह बयान दिया. उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज के कारण ही मालवा और उसके आसपास के क्षेत्रों में मुगलों का प्रवेश नहीं हो सका था अगर शिवाजी महाराज नहीं होते, तो आज उनका नाम कैलाश की जगह %कलीमुद्दीन% होता।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शिवाजी महाराज के अद्वितीय योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका साहस और संघर्ष ही था, जिसके कारण भारत के कई हिस्सों में मुगलों की दखलंदाजी रुक पाई. विजयवर्गीय ने शिवाजी महाराज की वीरता और उनके योगदान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया, और उनके आदर्शों को जीवित रखने की अपील की,मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री ने %ङ्क% पर लिखा, %%भारत की गौरवशाली अस्मिता के दिव्य आलोक, हिंदवी स्वराज के युग निर्माता, अनुपम पराक्रम एवं अद्वितीय शौर्य के प्रतीक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन. आज इस पावन अवसर पर इंदौर में निकाली गई भव्य वाहन रैली में सहभागिता कर शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए."।

'गेर' को लेकर तैयारियां शुरू: महापौर ने सीएम समेत पूरी कैबिनेट को दिया न्योता

इंदौर। मध्य प्रदेश की मोहन सरकार रंगपंचमी पर होने वाली गेर में शामिल होंगी। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सीएम डॉक्टर मोहन यादव को पूरी कैबिनेट के साथ गेर में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। इंदौर में रंगों का सबसे बड़ा त्योहार रंगपंचमी पर बनाया जाता है।प्रदेश की डॉ मोहन सरकार की पूरी कैबिनेट इंदौर की प्रसिद्ध गेर में शामिल होंगे। इंदौर के मेयर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक गोलू शुक्ला ने गेर में शामिल होने का न्योता दिया है। सीएम डॉ मोहन यादव ने पिछले साल गेर में जमकर होली खेली थी। आपको बता दें कि इंदौर में होलिका दहन के बाद धुलेंडी और उसके बाद रंगपंचमी पर गेर निकालने की परंपरा है। गेर में लाखों लोग एक साथ होली खेलते है। इंदौर की गेर देखने विदेशों से भी पर्यटक आते है। यूनेस्को की विश्व धरोहर में भी इसे शामिल करने के लिए तैयारी चल रही है।

गेर एक प्रकार का जुलूस होता है, जिसमें सैंकड़ों की संख्या में लोग एक साथ निकलते हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि इंदौर में गेर निकालने की परंपरा होलकर राजवंश के लोगों ने शुरू की थी। होलकर राजवंश के लोग आम जनता के साथ होली खेलने के लिए सड़कों पर निकलते थे और एक जुलूस की शक्ल में पूरे शहर में भ्रमण कर लोगों के साथ होली खेलते थे।

बेलेश्वर बावड़ी हादसा: निगमायुक्त शिवम् वर्मा को हाईकोर्ट की अवमानना का नोटिस

इंदौर। बहुचर्चित बेलेश्वर बावड़ी हादसे को लेकर नगर निगम प्रशासन पर सवाल खड़े हो गए हैं। उच्च न्यायालय ने निगमायुक्त शिवम् वर्मा को अवमानना का कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए चार सप्ताह में जवाब देने के निर्देश दिए हैं। मार्च 2023 में रामनवमी के दिन बालेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर में हवन के दौरान बावड़ी धंसने से 36 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। इस हादसे से व्यथित होकर पूर्व पार्षद महेश गर्ग और कांग्रेस नेता प्रमोद कुमार द्विवेदी ने अधिवक्ता मनीष यादव और प्रियेश भावसार के माध्यम से उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की थी।याचिकाकर्ताओं ने इंदौर शहर की सभी पुरानी बावड़ियों और कुओं को पुनर्जीवित करने, अतिक्रमण हटाने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। विस्तृत सुनवाई के बाद जनवरी 2024 में उच्च न्यायालय ने याचिका स्वीकार करते हुए निगम और स्थानीय प्रशासन को कई निर्देश जारी किए थे।

निगम और प्रशासन पर कोर्ट के आदेश की अनदेखी का आरोप

- याचिकाकर्ताओं का कहना है कि न्यायालय के आदेश के बावजूद नगर निगम प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।

- कई पुरानी बावड़ियों और कुओं पर अवैध निर्माण जारी है।

- भविष्य में फिर से ऐसे हादसे होने की आशंका बनी हुई है।

- न्यायालय द्वारा दोषियों पर कार्रवाई करने के निर्देश भी नजरअंदाज कर दिए गए।

आदेश का पालन न होते देख याचिकाकर्ताओं ने माननीय उच्च न्यायालय में अवमानना याचिका दायर की। मंगलवार को सुनवाई के दौरान अधिवक्ता मनीष यादव और प्रियेश भावसार ने प्रशासन की लापरवाही को उजागर किया। न्यायमूर्ति विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति गजेंद्र सिंह की युगल पीठ ने इन तर्कों से सहमत होते हुए नगर निगमायुक्त शिवम् वर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी कर 4 सप्ताह में जवाब देने का आदेश दिया है।यदि नगर निगम संतोषजनक जवाब नहीं दे पाता, तो उच्च न्यायालय कड़ी कार्रवाई कर सकता है। इस मामले को लेकर इंदौर में नगर प्रशासन पर सवाल उठ रहे हैं कि इतनी बड़ी त्रासदी के बावजूद सुरक्षा को लेकर ठोस कदम क्यों नहीं उठाए गए? बेलेश्वर बावड़ी हादसे के बाद प्रशासन ने सुरक्षा के दावे तो किए, लेकिन अभी भी कई जगहों पर बावड़ियों पर अवैध निर्माण जारी है। उच्च न्यायालय के इस सख्त रुख के बाद निगम पर जवाबदेही तय होने के आसार हैं। अब देखना होगा कि अगले चार सप्ताह में नगर निगम क्या सफाई पेश करता है।

एक अप्रैल से बढ़ेगी इंदौर की प्रॉपर्टी गाइडलाइन, डेढ़ सौ नए इलाके जुड़ेंगे

इंदौर। एक अप्रैल से इंदौर के कुछ इलाकों की प्रॉपर्टी गाइडलाइन बढ़ाने की तैयारी कर ली गई है। गाइडलाइन बढ़ाने का प्रस्ताव अक्टूबर माह में भी भेजा गया था, लेकिन प्रस्ताव को हरी झंडी नहीं मिली। अब पंजीयन विभाग ने सालभर में हुए सौदों का आकलन करते हुए उन इलाकों को चुना है, जहां गाइडलाइन तीन से लेकर दस प्रतिशत तक बढ़ेगी। इसके अलावा डेढ़ सौ से ज्यादा नए इलाके भी कलेक्टर गाइडलाइन के दायरे में आएंगे। इनमें ज्यादातर इलाके बाईपास और शहरी सीमा से सटे हुए हैं, जो नगर निगम सीमा में शामिल हो चुके हैं। नई कॉलोनियों और टाउनशिपों में दो साल पहले नगर निगम ने भी संपत्तिकर बढ़ाया था। मूल्यांकन समिति की बैठक में डेढ़ हजार से ज्यादा लोकेशन की गाइडलाइन बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी पहले ही दे चुकी है। अब उस प्रस्ताव को समिति सरकार के पास फिर से भेजेगी। इन इलाकों में दस से लेकर तीस प्रतिशत तक प्रॉपर्टी की गाइडलाइन में इजाफा होगा। यह बढ़ोतरी उन क्षेत्रों में होगी, जहां सालभर में सबसे ज्यादा रजिस्ट्री हुई और वर्तमान कलेक्टर गाइडलाइन से ज्यादा कीमत पर सौदे हुए।

गाइड लाइन से दो से तीन गुना कीमतों पर हुए सौदे

बीते साल इंदौर में तय गाइडलाइन से दो से तीन गुना कीमतों पर जमीनों के सौदे हुए है। सालभर में हुई खरीदी बिक्री के सौदों का आंकलन करते हुए उन क्षेत्रों में ही गाइडलाइन बढ़ाने पर अफसरों ने फोकस किया है। इसके अलावा इंदौर शहर से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों में नई कॉलोनियां विकसित हो रही हैं। उनके पंजीयन के लिए भी पंजीयन कार्यालय के पास प्रस्ताव आए हैं। अभी 4000 से ज्यादा लोकेशन पर पंजीयन हो रहे हैं। नई गाइडलाइन आने के बाद 5500 से ज्यादा लोकेशन के लिए पंजीयन कार्यालय में दस्तावेज के पंजीयन हो सकेंगे।

सांवेर रोड और खंडवा रोड पर ज्यादा सौदे

इंदौर में बीते साल सांवेर-उज्जैन रोड, खंडवा रोड, सुपर कॉरिडोर, पालाखेड़ी, एरोड्रम रोड की तरफ ज्यादा जमीनों के सौदे हुए हैं। इन क्षेत्रों में नई टाउनशिपों का निर्माण भी हुआ है। इंदौर-खंडवा और इंदौर उज्जैन मार्ग को छह लेन किया जा रहा है। इस कारण यहां जमीनों के भाव में तेजी नजर आ रही है। इन इलाकों में 10 प्रतिशत तक गाइडलाइन बढ़ सकती है। दो माह में पंजीयन विभाग में सबसे ज्यादा रजिस्ट्रियां होती हैं। एक अप्रैल को गाइड लाइन बढ़ने के संकेत के कारण अभी पंजीयन कराने में लोग ज्यादा रुचि ले रहे हैं।

ठंड की विदाई : बदलते मौसम से मरीज़ों की संख्या में इजाफा, सर्दी-जुकाम और मलेरिया का प्रकोप

दस्तक अभियान का दूसरा चरण शुरू

इंदौर। बदलते मौसम का प्रभाव स्वास्थ्य पर गहरा पड़ रहा है। ठंड के विदा लेने और गर्मी की शुरुआत होने से सर्दी-जुकाम, बुखार, वायरल संक्रमण के मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। अस्पतालों और क्लीनिकों में मरीजों की भीड़ देखी जा रही है। डेंगू और मलेरिया के मामले भी सामने आ रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। पिछले वर्ष मलेरिया के केवल 7 मामले आधिकारिक रूप से दर्ज किए गए थे, लेकिन डेंगू के 500 से अधिक मरीज सामने आए थे। इस बार भी गर्मी के साथ मच्छरों का प्रकोप बढ़ने लगा है, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों की आशंका बढ़ गई है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सर्वे और दवाइयों के छिड़काव का कार्य शुरू कर दिया है।

दस्तक अभियान का दूसरा चरण इसके अलावा, बच्चों में कुपोषण और एनीमिया की समस्या भी गंभीर बनी हुई है। प्रदेश में 72 प्रतिशत से अधिक बच्चे खून की कमी यानी एनीमिया से ग्रस्त पाए गए हैं। इंदौर जिले में भी इस समस्या को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने दस्तक अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत कर दी है। इस अभियान के तहत 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन-ए और आवश्यक औषधियां दी जा रही हैं, ताकि उन्हें पोषण संबंधी कमी से बचाया जा सके। पहले चरण की रिपोर्ट के अनुसार, 54 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं, जिनमें से 0.4 प्रतिशत बच्चों में यह समस्या गंभीर स्तर पर है।

अंधत्व जैसी समस्याएं भी आ रहीं सामने

एनीमिया के कारण बच्चों में चिड़चिड़ापन, भूख न लगना, जल्दी थकान महसूस होना, सांस फूलना, बार-बार सर्दी-खांसी, उल्टी-दस्त जैसी समस्याएं होती हैं। इसके अलावा, आयु के अनुसार शारीरिक और मानसिक विकास में बाधा आती है और शरीर में सूजन भी देखी जा सकती है। 9 माह से 5 साल तक के सभी बच्चों को उनकी उम्र के अनुसार विटामिन-ए अनुपूरण दिया जाएगा। आहार के माध्यम से प्रतिदिन आवश्यक विटामिन-ए की मात्रा का केवल 50 प्रतिशत ही प्राप्त हो पाता है, जिससे इसकी कमी के कारण दस्त, खसरा, रतौंधी, कार्निया का नष्ट होना और अंधत्व जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं।

संक्रमण का खतरा भी बढ़ रहा

विटामिन-ए की कमी से रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर हो जाती है, जिससे बच्चों में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही, संक्रमणजनित एनीमिया के मामलों में वृद्धि होती है, जिससे बच्चों का समुचित विकास बाधित होता है। इसी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने दस्तक अभियान शुरू किया है, ताकि बच्चों को सही समय पर आवश्यक पोषण और दवाइयां मिल सकें और उनकी सेहत में सुधार हो सके।